

दुष्टों का करने को संगार

दुष्टों का करने को संगार माँ चंडी रूप लिया,
भक्तों के भरने को भंडार माँ मनसा रूप लिया,

चंडी बन चंड मुंड को मारा मनसा बन भगतों को तारा,
धाम दोनों का हरिद्वार यही अवतार लिया,
दुष्टों का करने को संगार.....

शुम्ब निशुम्ब चंडी ने मारे, मनसा ने भगत पार उतारे,
बेडा लगया सबका पार, है भव से पार किया,
दुष्टों का करने को संगार.....

महिषा सुर जब पाप बढ़ाया,
माँ चंडी ने मार गिरया,
उतरा माँ धरती का भार हर पापी मार दिया,
दुष्टों का करने को संगार.....

मनसा पूरी मनसा करती खाली झोली सबकी भरती,
प्रेम से बोलो जय जय कार सभी को दरस दिया,
दुष्टों का करने को संगार.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3788/title/dushto-kaa-karne-ko-sangaar-maa-chandi-roop-liya-bhkt-to-ke-bharn-ko-bhndar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |